Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

2. (Signature) ______________________

   (Name) ______________________

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ______________________

(In words)

Test Booklet No.

J – 4609

PAPER – III

ADULT EDUCATION

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले ले। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**

ADULT EDUCATION

प्रौढ़ शिक्षा

PAPER—III

प्रश्न-पत्र—III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : यह प्रश्न पत्र दो सौ (200) अंकों का है एवं इसमें चार (4) खंड है। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I

खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks.

(5x5=25 marks)

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है। **(5x5=25 अंक)**

Read the Passage below and answer the questions that follow based on your understanding of the passage.

It is due to persistent quest for knowledge that has resulted in world of knowledge. The world of knowledge is limitless, all pervasive, multidimensional and relentlessly progressive in nature. Therefore, it is not easy to manage the process of knowledge development, generation and dissemination. Infact, it is the product of collective knowledge and wisdom developed throughout the ages in different areas of Subjects, Sub-Subjects and branches of knowledge. It is in this evolution different subjects and thoughts were tuned together by collective investigations and innovative research to develop systematically the knowledge and classified wisdom. It is only then a subject or subjects get shaped. The extent of any subject depends on characteristics, relationship with its conceptual understanding and analytical system or approach developed by different philosophers and theoreticians over the years. The desire or quest for knowledge had given rise to different subjects and analytical system while developing a world of knowledge.

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढकर, उसके आधार पर अपनी समझ के आधारा पर दीये गये प्रश्नों का उत्तर दीजिये।

मानव की जिज्ञासु प्रवृति के फलस्वरूप ज्ञान जगत का निरन्तर विकास एवं विस्तार हुआ है। ज्ञान जगत असीमित, सर्वव्यापी, बहुआयामी, एवं निरन्तर प्रगतिशील है। अत: इस पर नियंत्रण रखना आसान नहीं है। वस्तुत: ज्ञान एक व्यापक, और अनेक विषयों, उपविषयों और उनकी शाखाओं, का सामूहिक स्वरूप है। ज्ञान जगत के विभिन्न क्षत्रों में विभिन्न विचार धाराओं, और दृष्टिकोण के आधार पर हो रहे, अनुसंधानों के फलस्वरूप जो परिणाम प्राप्त होते हैं, उनको किसी विचार समूह अथवा समूहों में सुव्यवस्थित सुसगंठित एवं क्रमबद्ध व्यवस्था में एकत्रित कर दिया जाता है, तब वह, एक विषय, अथवा विषयों का रूप धारण कर लेता है। इन विषयों के आकार, स्वरूप उनके आपसी सम्बंध, उनकी अवधारणायें, एवं विश्लेषण मुख्यत: उनमें वर्णित ज्ञान, के वर्गीकरण, विषय विशेषज्ञों के विचार, दार्शिनिको द्वारा प्रतिपादित एवं सिद्धांतवद्ध अनुमान पर आधारित होते हैं।

इस प्रकार, मानव की जिज्ञासु प्रवृत्ति ने, अनेक विषयों को जन्म दिया है, तथा अनेक विषयों का विश्लेषण कर ज्ञान जगत का विकास तथा सम्वर्द्धन किया है।

1. What is the reason for the development of world of knowledge ?

ज्ञान जगत के निरन्तर विकास के क्या कारण रहे हैं ?

2. Why it is not easy to control or manage the knowledge ?

ज्ञान जगत के विस्तार को, क्यों आसानी से व्यवस्थित नहीं रखा जा सकता है ?

3. How the subjects based world of knowledge is developed ?

विषयों पर आधारित ज्ञान जगत का विकास कैसे हुआ ?

4. Examine the role of research and investigation in the development of world of knowledge.

शोध एवं अनुसंधानों की, ज्ञान जगत के विकास में, भूमिका की व्याख्या कीजिये।

5. What are the modes of formation of Subjects ?

विभिन्न विषयों की उत्पत्ति की क्या विधि है ?

SECTION - II / खण्ड – II

Note : This section contains fifteen (15) questions, each to be answered in about thirty (30) words. Each question carries five (5) marks. **(5x15=75 marks)**

नोट : इस खंड में पंद्रह (15) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है। **(5x15=75 अंक)**

6. What should be the role of the university System in educating the illiterate masses of our country ? Explain with your experiences and Suitable examples.

निरक्षर समुदायों को शिक्षित करने के लिये, विश्वविद्यालयीन शिक्षातंत्र की भूमिका का वर्णन, अपने अनुभवों के आधार पर उदाहरण सहित समझाइये।

7. What is SSA ? How SSA can perform better ? Explain.

सर्व शिक्षा अभियान क्या है ? एवं यह बेहतर परिणाम कैसे दे सकता है, व्याख्या कीजिये।

8. Suggest the appropriate educational curriculum/programme for the rural Indian illiterate women to improve their quality of life.

ग्रामीण निरक्षर महिलाओं के जीवन में गुणवत्ता के सुधार के लिये उपयुक्त शैक्षणिक पाठ्यचर्या को प्रस्तावित कीजिये।

9. How a research problem is formulated ?

एक शोध समस्या का निर्धारण कैसे किया जाता है।

10. What role Rabindranath Tagore played in educating the Indian masses ? Explain.

भारतीय जन समुदाय की शिक्षा के लिये रवीन्द्रनाथ टैगोर की क्या भूमिका है, विवेचना कीजिये।

11. Do you think the protection of consumer right is a human right ? Explain

उपभोक्ता संरक्षण अधिकारों को क्या आप मानव अधिकारों के अन्तर्गत सम्मिलित करेगें, व्याख्या कीजिये।

12. Can continuing Education help to develop more professional efficiency ? Explain

सतत शिक्षा क्या व्यावसायिक दक्षता को और अधिक विकसित करने में सक्षम है। व्याख्या कीजिये।

13. Whether communication is Significant in Adult and continuing Education ? What must be the pre-requisite of good communication ?

क्या संचार प्रक्रिया की प्रौढ़, एवं सतत शिक्षा में प्रासंगिता है ? बेहतर संचार के लिये पूर्व आवश्यकतायें क्या है ?

14. What should be the Syllabus of good adult education programme ? Spell out its contents and why do you feel so ?

प्रौढ़ शिक्षण कार्यक्रम के लिये बेहतर पाठयक्रम क्या होना चाहिये, उस पाठयक्रम के विचार बिन्दु क्या होगें, तथा आप उन्हें कैसे बेहतर मानते हैं।

15. Assess the importance of participatory approach in Training.

प्रशिक्षण में सहभागिता अधिगम के महत्व को बताइये।

16. Examine the non-conventional teaching aids.

गैर परम्परागत शैक्षणिक विधियों को परखिये।

17. How do you prioritise the learning needs of adult learners ?

प्रौढ़ शिक्षण में, सीखने की आवश्यकताओं की प्राथमिकतायें का निर्धारण कीजिये।

18. Examine critically the role of NGO'S in Indian Adult Education Programme.

भारतीय प्रौढ़ शिक्षा में, गैर शासकीय संगठनों की भूमिका का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये।

19. Justify the inclusion of 'Extension work' as Third Dimension by UGC in Higher Education.

उच्च शिक्षा के क्षेत्र में, विस्तार कार्य को तृतीय आयाम के रूप में शामिल किये जाने के औचित्य को समझाइये।

20. Explain the important steps to be kept in mind while writing the research report.

शोध प्रतिवेदन को लिखने से पूर्व किन-किन महत्वपूर्ण चरणों को ध्यान में रखना चाहिये।

SECTION - III
खण्ड – III

Note : This section contains five (5) questions of twelve (12) marks each. Each question is to be answered in about two hundred (200) words.

(12x5=60 marks)

नोट : इस खंड में बारह-बारह (12) अंकों के पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग दो सौ (200) शब्दों में अपेक्षित है। **(12x5=60 अंक)**

21. Mention the different psychological differences of adult and child learner.
प्रौढ़ एवं बालक को सिखाने के लिये, मनोवैज्ञानिक अन्तर को समझाइये।

22. Write the objectives of Adult Education.
प्रौढ़ शिक्षण के उद्देश्यों को लिखिये।

23. Describe the role and functions of the Department of Adult, continuing Education and Extension and Field outreach of Indian universities.
भारतीय, विश्वविद्यालयों में प्रौढ़, सतत एवं विस्तार शिक्षा तथा क्षेत्र कार्य, विभाग की भूमिका एवं कार्यों की विवेचना कीजिये।

24. What are the major aspects to be covered in the research proposal ?
शोध प्रस्तावना के मुख्य पक्षों की विवेचना कीजिये।

25. How will you assess the learning needs of adult learner ?
प्रौढ़ शिक्षार्थी की सीखने की आवश्यकताओं की आप कैसे पहिचान करेंगें।

SECTION - IV

खण्ड – IV

Note : This section consists of one essay type question of forty (40) marks to be answered in about one thousand (1000) words on any one of the following topics. **(40x1=40 marks)**

नोट : इस खंड में एक चालीस (40) अंकों का निबन्धात्मक प्रश्न है जिसका उत्तर निम्नलिखित विषयों में से केवल एक पर, लगभग एक हजार (1000) शब्दों में अपेक्षित है।

(40x1=40 अंक)

26. India needs adults educators to bring faster socio-economic development of our people Justify your argument with your experience.

प्रौढ़ शिक्षकों को, भारत में तीव्र आर्थिक सामाजिक विकास को त्वरित लाने की आवश्यकता है। अपने अनुभवों के आधार पर बताइये।

OR / अथवा

Critically examine the impact of Total literacy campaigns in India on development.

भारत में सम्पूर्ण साक्षरता अभियानों का विकास पर जो प्रभाव हुआ उसकी आलोचनात्मक समीक्षा कीजिए।

FOR OFFICE USE ONLY

Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) ....

(in figures) ....

Signature & Name of the Coordinator ....

(Evaluation) Date ....